उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, इलाहाबाद

संस्कृत
(विषय कोड–16)

इकाई–1
वैदिक साहित्य

देवता :

अग्नि, सवितृ, विष्णु, इन्द्र, रूद्र, बृहस्पति, अश्विनौ, वरूण, उषस्, सोम।

संहिताएं :

निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन–

ऋग्वेद– अग्नि (1.1), इन्द्र (2.12), पुरूष (10.90), हिरण्यगर्भ (10.121), नासदीय (10.129), वाक् (10.125)।

अथर्ववेद– पृथिवी (12.1)।

ब्राह्मण एवं आरण्यक– सामान्य लक्षण, विशेषताएं, दर्शपौर्णमास यज्ञ, पञ्चमहायज्ञ।

आख्यान–शुनः शेप आख्यान तथा वाङ्मनस आख्यान।

सम्बाद सूक्त– पुरूरवा–उर्वशी, यम–यमी, सर्मा–पणि, विश्वामित्र–नदी।

वैदिक साहित्य का इतिहास :

वैदिक काल के विषय में विभिन्न सिद्धान्त–मैक्समूलर, ए0वेबर, जैकोबी, बालगंगाधर तिलक, एम्0 विन्टरनिट्ज, भारतीय परम्परागत विचार।

पदपाठ

वैदिक स्वर– उदात्त, अनुदात्त तथा स्वरित

वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में भेद

वैदिक व्याख्या पद्धति–प्राचीन एवं अर्वाचीन

ऋग्वेद का क्रम

संहिताओं का पाठ–भेद

प्रमुख उपनिषद :

ईश, कठ, केन, बृहदारण्यक, तैत्तिरीय (विषयवस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन)

इकाई–2

वेदांग–शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरूक्त, छन्द, ज्योतिष (सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय)

निरूक्त (अध्याय–1 और 2)– चार पद–नाम का विचार, आख्यात का विचार, उपसर्गो का अर्थ, निपातों की कोटियां, क्रिया के छः रूप (षड्भाव विकार), निरूक्त के अध्ययन के उद्देश्य, निर्वचन के सिद्धान्त।

निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियॉं– आचार्य, वीर, ह्रद, गो, समुद्र वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ, वाक्, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, निघण्टु।

इकाई–3

दर्शन :

ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका–सत्कार्यवाद, पुरूष–स्वरूप, प्रकृति–स्वरूप, सृष्टिक्रम, प्रत्ययसर्ग, कैवल्य

सदानन्द का वेदान्तसार–अनुबन्ध–चतुष्टय, अज्ञान, अध्यारोप–अपवाद, लिंग शरीरोत्पत्ति, पंजीकरण, विवर्त, जीवनमुक्ति

केशवमिश्र की तर्कभाषा/अन्नंभट्ट का तर्कसंग्रह–पदार्थ, कारण, प्रमाण–प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द, लौगाक्षी भास्कर का अर्थसंग्रह

इकाई–4

व्याकरण :

परिभाषाएं– संहिता, गुण, वृद्धि, प्रातिपदिक, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगुह्य, सर्वनाम–स्थान, निष्ठा, लोप, संयोग।

कारकः सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार।

समासः लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार।

सन्धिः लघुसिद्धान्त कौमुदी के अनुसार।

सिद्धान्तकौमुदीः तिङन्त (भू एवं एध् मात्र), कृदन्त (कृत्य प्रक्रिया मात्र), तद्धित (मत्वर्थीय), स्त्री प्रत्यय।

महाभाष्य (पस्पशाहिनक) : शब्द की परिभाषा, शब्द एवं अर्थ एवं अर्थ सम्बन्ध, व्याकरण के अध्ययन के उद्देश्य, व्याकरण की परिभाषा, व्याकरण की पद्धति, साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम।

इकाई–5

भाषा विज्ञान :

भाषा की परिभाषा एवं प्रकार (परिवारमूलक एवं आकृतिमूलक)
भाषाओं का वर्गीकरण
भाषा प्रक्रिया एवं ध्वनियों का वर्गीकरण–स्पर्श, संघर्षी अर्धस्वर एवं स्वर
संस्कृत ध्वनियों के विशेष संदर्भ में मानवीय ध्वनि–यंत्र
ध्वनि–परिवर्तन के कारण
ध्वनिसम्बन्धी नियम (ग्रिम, ग्रासमान तथा वर्नर)
अर्थपरिवर्तन की दिशाएं तथा कारण
भारतीय आर्यभाषा की तीन अवस्थाएं
वाक्य का लक्षण तथा भेद
भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय
भाषा तथा वाक् में अन्तर
भाषा और बोली में अन्तर।

इकाई–6

संस्कृत साहित्य :

निम्नलिखित ग्रन्थों का सामान्य अध्ययन–

पद्य–रघुवंश (प्रथम तथा चतुर्दश सर्ग), मेघदूत (सम्पूर्ण), किरातार्जुनीय (प्रथम सर्ग), शिशुपालवध (प्रथम सर्ग), नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग), बुद्धचरित (प्रथम सर्ग)

गद्य–दशकुमारचरित (अष्टम उच्छ्वास), हर्षचरित (पञ्चम उच्छ्वास) कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)

नाटक–अभिज्ञानशाकुन्तल, उत्तररामचरित, स्वप्नवासवदत्ता, मृच्छकटिक, मुद्राराक्षस, रत्नावली, कर्णभार, वेणीसंहार

चम्पूकाव्य–नलचम्पू (वर्षा वर्णन पर्यन्त)।

इकाई–7

काव्यशास्त्र :

काव्यप्रकाश–काव्यलक्षण, काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यभेद, शब्दशक्ति, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, रसस्वरूप एवं रससूत्रविमर्श, रसदोष, काव्यगुण, गुण और अलंकार में भेद।

अलंकार–अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपहनुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, संकर, संसृष्टि।

साहित्य दर्पण :

काव्य की परिभाषा
काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन
शब्दशक्ति–संकेतग्रह, अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना
रस (रस भेद स्थायी भावों सहित)
रूपक के प्रकार
नाटक के लक्षण
महाकाव्य के लक्षण

ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)

नाट्यशास्त्र– भरतनाट्यशास्त्र (प्रथम, द्वितीय तथा षष्ठ अध्याय)
दशरूपक (प्रथम तथा तृतीय प्रकाश)

इकाई–8

रामायण : रामायण का क्रम, रामायण में आख्यान, रामायणकालीन समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिये रामायण एक प्रेरणास्रोत, रामायण का साहित्यिक महत्व, रामायण की आदिकाव्यता।

महाभारत : महाभारत का क्रम, महाभारत में आख्यान, महाभारत–कालीन समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिये महाभारत एक प्रेरणास्रोत, महाभारत का साहित्यिक महत्व

पुराण : पुराण की परिभाषा, महापुराण एवं उपपुराण, पौराणिक सृष्टि–विज्ञान, पुराण एवं लौकिक कलाएं, पौराणिक आख्यान।

इकाई–9

कौटिलीय अर्थशास्त्र (प्रथम दस अधिकार)
मनुस्मृति (प्रथम, द्वितीय तथा सप्तम अध्याय)
याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय मात्र)

इकाई–10

प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता–

प्राचीन संस्कृति की विशेषताएं
प्राचीन भारत में स्त्रियों की दशा
प्राचीन भारत में शिक्षा
शिक्षा के प्रमुख केन्द्र (नालन्दा, तक्षशिला)
राज्य के सप्ताड. सिद्धान्त
प्राचीन भारत में कला।

नोट–प्रत्येक यूनिट से न्यूनतम 5 प्रश्न अनिवार्य होंगे।